ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक - 12 सितम्बर-II, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

मेडिकल साइंस के साथ ही योग की ज़रूरत पर ज़ोर

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सरला। साथ हैं ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. बृजमोहन व अन्य ब्र.कु. बहनें।

'माइंड बॉडी मेडिसिन' विषय पर त्रिदिवसीय कॉन्फ्रेंस के आयोजन में देशभर से करीब 2000 चिकित्सा विशेषज्ञ हुए शरीक।

कॉन्फ्रेन्स के दौरान मंचासीन हैं ब्र.कु. डॉ. बनारसी, ब्र.कु. करुणा, प्रो. डॉ. डी.के. गुप्ता, डॉ. बलबीर सिंह व ब्र.कु. निर्वैर।

शांतिवन। मेडिकल क्षेत्र ने पूरे विश्व में तरक्की के नये आयाम तय किये हैं। आज कठिन से कठिन बीमारियों पर मेडिकल साइंस ने काबू पा लिया है, किंतु योग की कमी और जीवन पद्धति में नकारात्मक बदलाव से प्रतिदिन नयी बीमारियां उत्पन्न होने लगी हैं। उक्त विचार दिल्ली एम्स के पेडियाट्रिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. डी.के. गुप्ता ने ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग द्वारा `माइंड बॉडी मेडिसिन' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय सम्मेलन में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि मेडिकल चिकित्सा ने बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं। लगभग हर बीमारी का इलाज संभव है, परंतु उसे जड़ से समाप्त किया जाये और बीमारियों से हमेशा बचा जाये उसके लिए जीवन में योग और अध्यात्म को शामिल करना व जीवन पद्धति का बदलाव ज़रूरी है।

मेडिकल प्रभाग के अध्यक्ष तथा ग्लोबल हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर माउण्ट आबू के ट्रस्टी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि मन को स्वस्थ रखना आज बेहद ज़रूरी हो गया है। मन को स्वस्थ रखने व बीमारियों से बचने हेतु आत्मा में शक्तियों का विकास व मनोबल में दृढ़ता के लिए अध्यात्म अपनाना होगा।

महात्मा गांधी मेडिकल साउथर्न कमांड इंडियन आर्मी के मेजर जनरल डॉ. एल.एस. वोहरा ने कहा कि अब तो सेना में भी योग को बढ़ावा दिया जा रहा है, क्योंकि मन की बीमारी से बचने के लिए मेडिकल साइंस के साथ सकारात्मक और तनावमुक्त जीवनशैली की अति आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का ज्ञानयोग व राजयोग जीवन के लिए श्रेष्ठ है।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मोहिनी ने कहा कि जीवन का विज्ञान और साइंस सबसे - शेष पेज 11 पर

योग को बढ़ावा देने का आह्वान

कॉन्फ्रेन्स के दौरान ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि आत्मा रूपी बैट्री सारा दिन में इस कलयुग के वातावरण में रहती है। आज के वातावरण में सभी निगेटिव इमोशन्स शिखर पर हैं। एक का मन दूसरे के मन को प्रभावित करता है तो कितनी सारी ऊर्जा सारे दिन में हम तक आती है। इन सारी ऊर्जाओं के प्रभाव से बचने के लिए हमें अपनी ऊर्जा को इतना बढ़ाना है कि चारो तरफ भी नकारात्मकता होगी तो भी हम शक्तिशाली रहेंगे और हमारी शक्ति दूसरों को हील करेगी। उसके लिए रोज़ चार्जिंग करनी पड़ेगी क्योंकि चार्जिंग बहुत धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी होती है। जीवन में चलते-चलते अचानक से कुछ बातें आ जाती हैं जिसके लिए मन कहता है कि मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ ? कभी कोई रिश्ते में धोखा दे देता है, कभी बहुत मेहनत करने पर भी सफलता नहीं मिलती, कभी अचानक स्वास्थ्य को कुछ हो जाता है तो सबसे पहला सवाल होता है कि ये क्यों हुआ ? तब मन जवाब ढूंढ़ता है कि ये किसकी वजह से हुआ । कभी चलते-चलते अचानक कुछ बहुत अच्छा भी हो जाता है जो हमने सोचा ही नहीं था तो ये सब कौन डिसाइड कर रहा है ?मेरा भाग्य कौन लिखता है ? आने वाले समय में मेरे साथ जो होने वाला है वो कौन तय करेगा ? जब मन में ये सवाल आता है कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है तो हम ढूंढ़ते हैं कि किसपर अंगुली रखें। जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी ने चिकित्सकों के पैनल के साथ विचार करते हुए प्रत्येक चिकित्सालयों में योग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। चिकित्सकों ने भी प्रत्येक मरीज को जीवन में राजयोग व ध्यान को अपनाने की सलाह देने पर बल दिया।

इंसान बनाने वाली मशीन ब्रह्माकुमारीज़ के पास:बावनकुले

कामठी-नागपुर। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु मन में उठने वाले विचारों को जब तक हम एक दिशा नहीं देंगे तब तक उससे उठने वाली ऊर्जा और उसका प्रभाव परिणाम जनित नहीं होगा। उक्त उद्गार सात अरब सत्कर्मों की महायोजना कार्यक्रम में माउण्ट आबू से आये ब्र.कु. गंगाधर ने व्यक्त किये।

कामठी सेवाकेन्द्र द्वारा सात अरब सत्कर्मों की महायोजना का शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऊर्जा व जिला पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले व पूर्व राज्यमंत्री सुलेखा ताई कुम्हारे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव जाति को सत्कर्म की ओर प्रेरणा देने हेतु था। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता माइंड प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. अनुज ने सारे कर्मों का प्रभाव शरीर पर कैसे-कैसे पड़ता है, उसका विवरण बड़े ही रमणीक तरीके से दिया। इसमें लगभग 600 से अधिक शहर के गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अपनी शुभेच्छा व्यक्त करते हुए राज्यपालक मंत्री बावनकुले जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का जो योगदान है वो विश्व मानवजाति के लिए ही है। मन को शांति पहुंचाने से लेकर तन को सुरक्षित रखने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ बखूबी करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ब्लड बनाने की मशीन नहीं है, लेकिन आदमी को सही इंसान बनाने वाली मशीन ब्रह्माकुमारीज़ के पास है। सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता ने कार्यक्रम को संचालित किया तथा सभी अतिथियों का स्वागत भी किया।

कामठी-नागपुर। रनाला हॉल में पूर्व राज्यमंत्री सुलेखा ताई, राज्यपालक मंत्री बावनकुले, ब्र.कु. प्रेमलता, ब्र.कु. गंगाधर, माइंड प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. अनुज अपने विचार व्यक्त करते हुए व सभा में उपस्थित शहर के गणमान्य लोग।